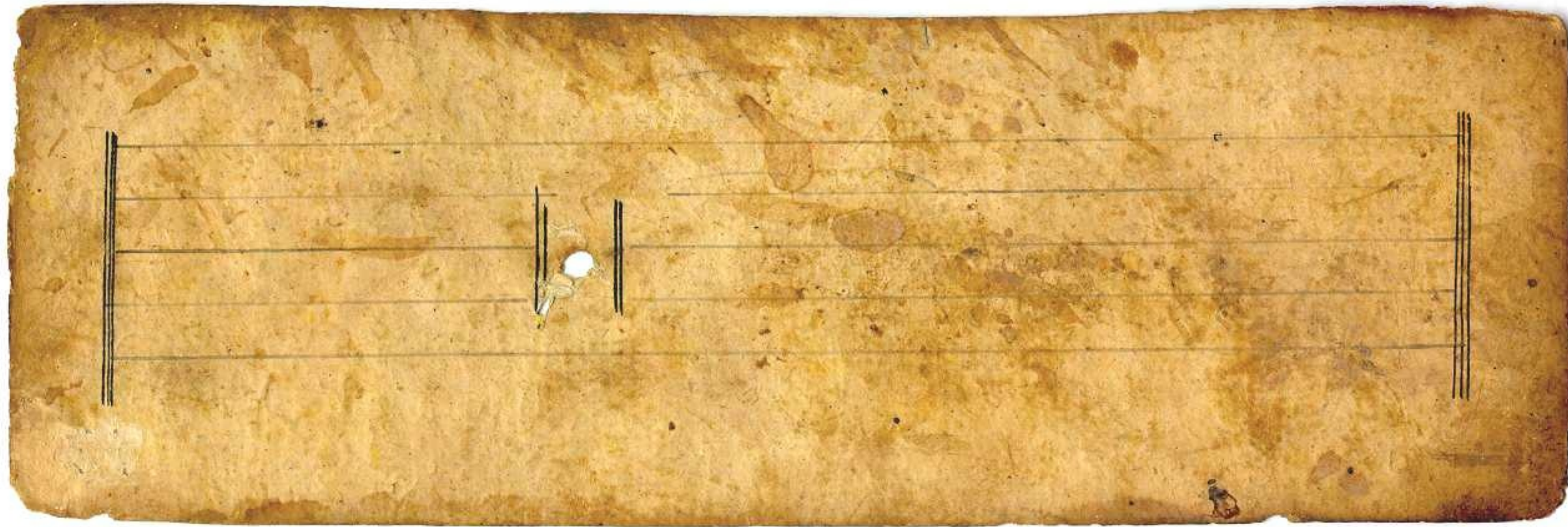






70

[illegible]

धर्मरत्न बज्राचार्य सुरत श्री महाबिहार DH 89

॥ विष्णुधर्मा प्रमत्त रुद्रवाग शास्त्रमधुलमृकमां ॥ ॥ अयिनया उच्यं प्रमद्वय ॥ प्रजानेकम
 लसुमनृद्धका कन आयुधमोमन गृहममधुलं ॥ नमस्तुतगीवसू धीनदी प्रजा ॥ ॥
 १ उैनमः शीवसू धीनदी ॥ ॥ अर्नाशिवेखकन ॥ तगुहाशिवेदकेका जानमधुलं यथि
 या यामेखाया प्रकृता ॥ ॥ लिगुवालगाता ॥ गुलन्यायिदशितवा ॥ नवकलय
 गावा कलदूहेतावा ॥ ॥ केकलीया ॥ उयाडाकावा ॥ उयाडिकावा ॥ ये ॥ ॥ केन धर्माशिया
 मीग ॥ याधिताया ॥ अयाधित ॥ ॥ दनिडाकृता ॥ अदलित ॥ रुवाति ॥ यथ ॥ रुप्रमधकल

रिहवा

ना उल नाकिमखां प्रानंकृता ॥ गुदिवमलवसू यावृत्ता ॥ गुलानगता ॥ गुनृणायिदशित
 तया ॥ नगुप्रवृत्तवदानक ॥ ॥ अमाह ॥ प्रवृत्तगृहयतिरुगायकमता ॥ तदवायन ॥ कवि
 दव युदडाया दविडाया ॥ ॥ धिता रुवत ॥ ॥ गुवावेमानायाया ॥ दसयत्तमलमन ॥ रुग
 वानाह ॥ रुननी सर्ववृत्ता ॥ ॥ नावप्र धीनदी ॥ प्रवृत्तवृत्ता ॥ प्रवृत्तवृत्ता ॥ प्रवृत्तवृत्ता
 प्रदनी ॥ ॥ अगम सर्वदृष्टानां मलाविद्यावसयिया ॥ ॥ अयादवा ॥ धीनदी ॥ उदुहेव

दि

किमानवद्विद्वद्वाधेऽह काशो नयथतनिककावन॥ अविना नि^३यानि। या प्रवर्तित संशय
॥ प्रयत्न आरु॥ कीदृशी कगयना माताव प्रधा बधी यूनभ कथं कन विधान नागस्य ४ य का विधि
वका॥ कगयाना रु॥ तवान कय या प्रम्य का सर्व सत्ताथ रुतव॥ रुनन्या ४ सा धन य द्य
वत क्षाये विहा वत ४ दहा यिया म्म रुं सा धा प्रत्ता मन सिधा वय॥ यन विज्ञात मा गुह्य
सर्व स शक्ति मान यात॥ न विरु ७ यानि क वा या या धिना या धि रुवत॥ अ य गुल रुव य गुम।

२

लन धन धान्यक॥ मला धना मला शा र्भा समन याने वा न के ४ कि म तु व रुना कना दृष्टा यन्यय
कानेदी॥ य आ क विधि ना यन। वत क्षा य व धा न ना रु॥ ॥ कृ र्मु सा ड य र मा शे री ग या
मिथि ४ रुन। मा ध कृ र्मु तथ य र्गा गु ना या या विहा वत ४ आ न रु न वत ना रु क्ष
मा से मा से रु व रु न॥ क लय ना वा क न रु रु ता वा रि रु वा रि रु दी वा उ या र
का वा उ या री का वा रु ४ अन्या यि व य ल ना नि कं ४ या त न रु म ना गि आ ना य री क ला। मान रु
का न य रु॥ मल स्नान छ वि स्नान म रु॥ स्नान म ये व य। मने कृ ला य रु रु यि र्व ध धा॥ ३॥

गी

शुचीवक्रुयनावृत्त्याशीलवानशकिमानसशीलआदकवहकंशायुधुवक्रुयक्रुयदयन ॥
 शुचिकुमोवतुवायनकीकतमधुल ॥ मययक्तलगासमागुतगुशयानिवहयन ॥
 वक्रुवमधुलकृत्वासर्वल ॥ कदासंयुत ॥ यीतायकवहाप्रधागन्धमात्यविलयन ॥ नव
 द्यविधिविश्रवयकाहादल ॥ मयया ॥ मगन्धययतामलाकयुननागशीलकी ॥ यदुनगु
 मिगन्धयासर्वीलकावमाययानवदयतातानिदयोवप्रधावायतकवहायुनशीकृ
 लायवाशुचीकायुवकददताकायिकागिवकमेवाविककुवविधि ॥ मानसप्रियकाव

३

अदशीतकृशालाः सताः याहादियाता ॥ अदरुतानाकाममिथावकारिका ॥ मयावाकवय
 शुन्यायावृथाकिन्नशामहा ॥ ॥ अविद्याश्रवयायादंमिथादक्षिश्रविकरु ॥ दशानान
 कृशालासत्वा ॥ वक्रुद्विमा ॥ सदा ॥ दशकृशालानाकमेदलश्रु ॥ याहादियाताद
 यय ॥ अदरुताना ॥ दशा ॥ गदविदना ॥ काममिथायानातायेयशायामयगदि
 नाश ॥ मयावादीता ॥ अववननदामविकदृष्टदल ॥ यिष्ठनातामिगुशदाकवहाविधाकि

या नृमान् अमना हृषला कादगाध ॥ अशरित्तय नायाता अनादयया ॥ काकशरित्तयला ॥ अ
 विद्या न आह्वानमुख ॥ या या कातातिवहाधिमानी ॥ मीआद्विधातिवहादीनजातिव
 उत्तयत ॥ वृत्तमावकुनी या शीवप्रधमावतवधयत ॥ ॥ समचाहलीरवा
 रुवत ॥ तसर्वप्रकध्मायी कुरियवा तुलियवा ॥ शीवप्रधमाया ॥ अगु नृवधवाधी
 प्रत्यमनिक ॥ सर्वयाया यतिदसयामि ॥ कानन सवनयति सुदयामि ॥ नृत्तगीत ॥ वादिप्र

मालागन्धविलयन ॥ वधूक ॥ मलाहायना प्रवधू ॥ नृत्तया गजकारवध ॥ मासमायामि
 प्रहायल सतलमवध ॥ ॥ मनायाधादेकं य ॥ शिव नृत्तवध नक ॥ अलन शाकिय
 नाना ॥ मलाहनाय वधूक ॥ दिना ॥ विकालवलायां दना ॥ आवाया ॥ डाय ॥ ध्याया ॥ दहादि
 त्माकध्मादुप्रनियति ॥ ता ॥ वृद्धा ॥ रुगवका ॥ याधि ॥ प्रत्या ॥ अहं ॥ अमकना ॥ मा ॥ वधध
 म्र संघ ॥ मृगवधंगममी ॥ यन नयल ॥ ॥ ॥ समचाहलीरगदक ॥ नृवधवाधि ॥ प्रत्या ॥ म माता

वि

६

७

यितनो॥ तदन्यासगम्या सर्वप्रत्यक्षा अस्मादिह कायवायनादिह ॥ इह कर्मनी रुवाकवममयाया
 या अकर्मकतां॥ कावितं अ नमादिह मन्याशीयेत ॥ यद्यप्यदो गुरुकातगाननयय
 सनत ॥ यद्यप्यत ध्यानाम काविद्याव प्रधना प्रमथुलां ॥ यद्यप्ययायलाबहानेवय
 यिविधनवा ॥ सर्वयकन अयतं यूरुयहिकेमानसविहृद्यन्मगुविहृया उवा
 कायविला नकं ॥ कायवा कविरुमकनाय कनीयादिनादिन ॥ यथाकध नदीनित्यमविकि

वय ॥ ० मधीठावायनायन नदीवा यथकधनदा रुवण ॥ यद्यप्यव प्रधनवखाका ॥ यद्यप्यव
 गमधन धन्यादिकं रुवांया युवकिन प्रसायध ॥ प्रमवा रुवायथात गतदुत प्रमा
 दधामययानलदिगानिना मिवा नवदशाकि प्रक्या विहृत्वा कथं यो वकिं वां यो वजाती
 ममिनी ॥ यो व प्रथोदयाना वातावत शीव प्रधनावत प्रमाव नन ॥ ७ ॥ यन सानवा
 यध ॥ उं शीव प्रधनामधुला यद्यकी विमलखाका ॥ उं व प्रधनवसवी विद्यानला नय दूं ॥ उं व प्र

लडायसाहा॥ कृतकानस॥ उंशीमलालक्रीडुगानिवाडिन्यसाहा॥ कानस॥ ॥ उंशीवसुध
 साहा॥ साना॥ उंवसुधनि
 साहा॥ धनि॥ उंवसुधल
 ना॥ योधाबहि॥ यातिविविन
 सर्वलाका॥ कननी॥ यधमासि॥ क॥ ॥ कलसतयक॥ ॥ उंशीयंकात्रि॥ धनंकात्रि॥

धान्यकानि॥ आगसागक्रीसाहा॥ मधुलकातसतयक॥ उंआयाशीवसुधकवाध्रदद
 शिवसुसाहा॥ मधुलसा॥ युतकात॥ ॥ अर्धयाय॥ काढलसा॥ कसंनतयाव॥ उंउकृत
 कवसंधी॥ अ॥ उवधधीनि॥ अ॥ कनि॥ शीवसुधक॥ अर्धमृष्टि॥ क॥ ॥ क॥ ॥ वसुधनास
 मनसा॥ म॥ ड॥ लिडा॥ धव॥ तावधी॥ साधना॥ यावयिकाल॥ क्री॥ शि॥ दि॥ वल॥ यु॥ का॥ ॥ उंममय
 सोम॥ म॥ म॥ या॥ क॥ नि॥ म॥ हा॥ म॥ सा॥ हा॥ ॥ नि॥ क॥ रु॥ ल॥ सा॥ न॥ त॥ य॥ क॥ ॥ उंन॥ मा॥ व॥ ल॥ त॥ या॥ य॥ म॥

यतनिमलतकाशी साहा ॥ उंशीमलाभामति साहा ॥ उंशीमलायोदिसति साहा ॥ उंशीसर्वजन
 वशकलि साहा ॥ उंशीसर्वद ॥ अनिकुननि साहा ॥ उंशीसर्वशगुविनाशकविहंरुट साहा ॥
 उंशीआगकृममयामनस्र ॥ वसाहा ॥ यवियलय ॥ उंशीवसुधन साहा ॥ उंशीवसुधना ॥ ५०
 धनधिय साहा ॥ उंशीवक्रध ॥ वसाशननिधायातथागताय साहा ॥ उंशीवृत्तादय
 साहा ॥ उंशीवमधनाय साहा ॥ उंशीवक्रधनाय साहा ॥ उंशीकंरुलजाय साहा ॥ उंशीहंशीखा

यात्राय साहा ॥ उंशीगुफाय साहा ॥ उंशीमगुफाय साहा ॥ उंशीमनस्य साहा ॥ उंशीवदुका
 नाय साहा ॥ उंशीमाधिरुडा ॥ य साहा ॥ उंशीयधूरुडाय साहा ॥ उंशीवेशवलय साहा
 ॥ उंशीविावेककुलिल साहा ॥ ॥ उंशीवृत्तिमालिहा साहा ॥ उंशीमुखजाय साहा ॥ उंशीव
 लजाय साहा ॥ उंशीमलाल ॥ श्रीगतिनिवाशिन साहा ॥ ॥ वादकाशकवृत्तक ॥ ॥
 यंवायलावयुकायायाकंमवदव ॥ मुनी ॥ ॥ रगवतिवसुधनसनमूनिनमामि गगधम

गी। मना हं मा वन गिर्ये ग्गानि। असम गृहानि धन का ॥ न नत वषा वरुन समुधि सा न नत
 वर्षा॥ थन वलि यिया॥ ॥ डं गी व स धा नाय वृमं वलि गृह २ ख २ खादि २ नान यता धर्म
 गी। ग्गानि समुह का ना गानिक
 खानत एक॥ ॥ कत्या दीत
 ना विधी ना यलिय थमाना या धा नया विवि धन न स वधु म
 या। यधु कलाति। रुवना प्रह प्रवा सर्वता सर्वला कननि। पुन मा मिक क्का। तां दवी। सर्व गृह न

११

तम लानि धना सत्ताथ कार्थ धन धन्य समुह दता ॥ ला बा ध ला वम कटा म। लोक स्य वृका। तला
 क नाथ व स धा व स धा वना
 रुह मा धी ना। सो गाय न
 ॥ ॥ गता क व ॥ अया क ॥
 धन क समा कि धु विरु धं यथा सख ॥ ॥ कता वा सर्व सत्ताथ सिध ॥ लादि ॥ विम ऊं ॥ ॥

वतकाननयक ॥ मधुलया कका ठायवा अर्धरुजसतयक ॥ शुभमधुलयायिवालख ॥
 ॐ तिशीवसूधा नावतविधी ॥ समाक ॥ ॥ शतिकका शुभमधुलदनका विनऊका ॥
 निनाकनाशियाधिकासहा ॥ सहनलय ॥ ॥ यनखकन ॥ ॥ योववाकित ॥ १२
 ॥ धर्मानशक्तया ॥ अना ॥ नागमका एकाग्रमानना धलायत गावतावसूधा वयाय ॥
 धुकनातिडया ॥ यादिव व यनिखागा ॥ ठिकायक समरुगा ॥ नानाधर्म शुभं शुखा वनरुवायऊ

मवत ॥ ॥ मना योवजीकां योवडाणी ॥ गामिनी ॥ योवत सूर्यादयानका नावत शी वसूधा
 नावधानया मासहा ॥ यवध ॥ यायदावधानेवयविविधनया ॥ शर्वायक नक्षाय ॥ ४५
 रुयशक्तिमानसहा ॥ ॐ तिपुन ॥ संयुक्तकला यवतकर्मकालितहा ॥ मना शी वसूधा ना ॥ स्वय
 मागता सर्वसत्तां सज्जमाक ॥ यनायकां कलाति ॥ ॥ यथानाहय ॥ यति ॥ सर्वसत्ता ॥ ४६
 विताकुवननीयता ॥ एवं धर्मज्ञानकन रुला ॥ याकन सहाय ॥ ॥ वतुका का का यक ॥

ॐ रुम सुसर्वदा ॥ ॥ २ ॥ नमः वरुणाय ॥ नागशावना ॥ ॥ अतिशुभं नमः ॥
 बां गुं वरुण निव्यां गाना ॥ वना समापनां वेनावनयविष्ममना वरुण वृक्षां सुमीक
 मयां मनव्यायां सफरुधी ॥ विष्ममिर्गदिगुर्गा वामक नद्यां रुयागधनी लिङ्गित वन
 रा समापुत्रां शलि वसधोवा ॥ नववधनां मागनर्ध सया कालीं समय सया विराय ॥
 गतिन स रुधी रुमि स माय नं नन सय मिशाय ॥ ॥ धय ॥ राग वनशी वरुण वृक्षद

१४

वता सर्वजा त्यादि ॥ रागवानागवाका अष्टयिष्यामि रयथा स सुयवा वता वरुण रुगव
 गा मला नागा अष्टयिष्या ॥ रुगवता रुया व धा मायु मष्टु अ नकं यामया दाय
 सल्लिख्य स तम मष्टुला सदि ॥ तां सर्व सान्निध्य क रुम रुथ ॥ अर्धया याम रु ॥ ॐ अ व
 रु व नृम मला नागा धियमि ॥ ॐ रुम रुदी या वरुण यय १ ॐ वं रुं सा ला ॥ ॐ अ नक वास
 की र रुका ककोठका यत्र मला यद्रा राखया ल कालिका व नृम या व द वा मि मला द वा मि रा म

शिखामलाशिखा दधु धन मला दधु धन। अयला बह्व २ नचा यनचा। सागला मला साग
 ला। अनवतका मला गका। शी कानि। मला कानि। प्रवया मला प्रवया। रुडादिके म
 ला दना शिव मला शिलो। गस गका मला नाभा धिय गका। रुह व ४ दान यता। शी को १५
 नि य नी नगना। शी ३ रुया। लु मल द वय मखादि। य गावा ४४ सर्व सना ना ४ व म
 धा ना भा किं य किं सर्व सिद्धि क व २ ४४ रु रु मदी या व मा य हा य २ दै नै दै शी व रु ध व जा ४

यय ४ रु रु ट अर्थ युगी कृष्ण ला ॥ ॥ वलि वी य ॥ नाग वलि ॥ ॥ मंत ॥ ४४ दं वली ४४ रु
 रु व दी या व मा यय २ सर्व रु रु व ला ॥ ४४ क ४ काल अनत नाभा दिना ४४ दं य व
 ध य दी या म ४ न य या दि व लि ४४ यति रु ४४ रु सर्व सखा युका नार्था व म धा ना म रु
 रु दै नै दै ला ला ॥ ॥ ॥ बाल वलि ॥ दश ना क याल यो य ४४ वलि मा ना य द य
 य रु ला य ॥ सामन ॥ ४४ ना रु व य द य ४४ ॥ विग रु हा थु गी व स व य का नाग य ४४ वि

नमस्तस्मै कर्मसु कश्चिदवयवदृष्टं सवस्तव गगवानयकार्मकयोगः ॥ यद्वयस्यथाकनक्षया
 नवमकुरुगवाप्तवन्द्यगृह्यतिमतदवावतः ॥ यद्वयस्यगृह्यतिमतदवावतः ॥ यद्वयस्यगृह्यतिमतदवावतः ॥
 नवमकुरुगवाप्तवन्द्यगृह्यतिमतदवावतः ॥ यद्वयस्यगृह्यतिमतदवावतः ॥ यद्वयस्यगृह्यतिमतदवावतः ॥
 नवमकुरुगवाप्तवन्द्यगृह्यतिमतदवावतः ॥ यद्वयस्यगृह्यतिमतदवावतः ॥ यद्वयस्यगृह्यतिमतदवावतः ॥
 नवमकुरुगवाप्तवन्द्यगृह्यतिमतदवावतः ॥ यद्वयस्यगृह्यतिमतदवावतः ॥ यद्वयस्यगृह्यतिमतदवावतः ॥
 नवमकुरुगवाप्तवन्द्यगृह्यतिमतदवावतः ॥ यद्वयस्यगृह्यतिमतदवावतः ॥ यद्वयस्यगृह्यतिमतदवावतः ॥

कुरुति ॥ अथखलु कुरुगवानननस्ययद्वयगृह्यतिमतदवावतः ॥ किमिति त्वं गृह्यतिमतदवावतः ॥
 नायाऽयस्ययुक्ते ॥ नवम
 यद्वयस्यगृह्यतिमतदवावतः ॥ यद्वयस्यगृह्यतिमतदवावतः ॥ यद्वयस्यगृह्यतिमतदवावतः ॥
 यद्वयस्यगृह्यतिमतदवावतः ॥ यद्वयस्यगृह्यतिमतदवावतः ॥ यद्वयस्यगृह्यतिमतदवावतः ॥
 यद्वयस्यगृह्यतिमतदवावतः ॥ यद्वयस्यगृह्यतिमतदवावतः ॥ यद्वयस्यगृह्यतिमतदवावतः ॥
 यद्वयस्यगृह्यतिमतदवावतः ॥ यद्वयस्यगृह्यतिमतदवावतः ॥ यद्वयस्यगृह्यतिमतदवावतः ॥

७
 ७
 रुतानविह०यनि ॥ नरुसानविह०यनि ॥ यतानविह०यनि ॥ यिसावानविह०यनि ॥ क
 मासुनविह०यनि ॥ डाका
 नविह०यनि ॥ सर्वदवान
 नविह०यनि ॥ मृगालाना
 विह०यनि ॥ मगालानानविह०यनि ॥ यूरालानानविह०यनि ॥ वमालानानविह०यनि ॥

मगालानानविह०यनि ॥ शमालानानविह०यनि ॥ उरुमालानानविह०यनि ॥ उरुमि
 तालानानविह०यनि ॥ ग
 लानानविह०यनि ॥ हला
 लानानविह०यनि ॥ एतया
 ययहनक्षायद्वैरुवज्जसर्वद्वानां सर्वशुद्धां मानय२भावय२कमय२वचय२दन२

ॐ नमः शिवाय ॥ यद्येव कल यद्येव कल द्रुहिरुवा रुदय
 गता गुरुगता रुद्रगता यद्ये
 थ अनमादिता यनयधिवि
 दीय नवमथयहिनाय स
 नामध्वनधीतथागतयः ॥ १ ॥ कृतानमस्तुता आयकयन ॥ अर्धनागमि वरुवा नादि र

२०

यदवता आरुमनकायमादिता यीतिशोमनय काता स्वयमागत्य धान्यवृद्धिं यातयि यकि ॥
 यीत्यतथागतगामन ॥ यी
 नाधर्मज्ञानकसागतन ॥
 तायाहतासम्यक्कृतवृद्धाय ॥ १ ॥
 कामं कनयतथागतय । नमावकगुरुयतथागतय ॥ नमावकधनसागनगमी नय तथा

गतस्य । अथ यथा कथा रुद्रयुद्धाया कथा ॥ विषयभादिशः ॥ भक्तमनिखा जानया नमिनाय
 थ
 शी विपुलैश्च रुद्रव ह्यविद्या ॥ २१ ॥ विषयकुचस्यो
 वेव ककुचद्वलनव ॥ क नकमनः ॥ गिकायां काय यथधरो गुह्ये शाकासिंहस्य
 वीर्यममृतयस्य यमिहया । समृद्धानुगतागताः ॥ ममकयजाः सर्वस्वदिनावि
 या नानिददः स्वयसना हृवमावकस्य ॥ मां वसुधा नानामध्या नक्षीविद्या नरुस्यं यव कामि

रुद्रवना शमितस्यार्थमनुयदा मनसा नामि ॥ तद्यथा उँकँदँ । उँगीधनरधनस्यैशु क्रमान् अ
 रुद्रकाय विनितात्यादमन
 ननसुप्रहृष्टफलका नारुन
 व काकागा नदरुनिवृह
 विस्त्वस्य वाधियाछानस्य सवशातकवृद्धस्य वक्रस्य विषुस्य नृपस्य लोकया
 प्रत्यक

१५
दि

लसख धनदहमासकविदि नवधसुवधुमासिमकि वरुवेरुयसखठिलायवाककातनयन
कतमनगतयननाठा ॐ
लीमाधियत्यका नयति ॥
नि ॥ उँवनरविनिश्वर
मिठिरसंनरविमवर ॐलागकर कगवति साधकानामना ॐअगमयावेयुडतेठविद्या

दनीलककनसवदन्यसमदय ॥ वरु ४ वठिविदि सरुय
गदिरुगवति वरुधनसागनगमी नवद्वसत्यसत्यवादि
रुल २ मल २ ललललल ॥ १ ॥ ललललल ॥ १ ॥ ॐठिर

२२

४सवेवकाकगवक ४समासययतिमला ॥ नमोक्रियधिकानासवदथागानां ॥ मद्यथा ॥ उँगी
सूत्रयसाहा ॥ उँगीदिन्यन
उँगीसननयसाहा ॥ उँगी
सूत्रयमतिसाहा ॥ उँगीसू
मिसाहा ॥ उँगीसूत्रयमतिसाहा ॥ उँगीमूलयमतिसाहा ॥ उँगीमूल २ साहा ॥ उँगी

यसाहा ॥ उँगीदिन्यनयसाहा ॥ उँगीवरुनयसाहा ॥
यसायावमिदसाहा ॥ उँगीवरुमवरुदयसाहा ॥ उँगी
रुदमतिसाहा ॥ उँगीमजलसाहा ॥ उँगीममजलम
॥ उँगीमूलयमतिसाहा ॥ उँगीमूल २ साहा ॥ उँगी

वलरसाहा ॥ उँगी अ वयलसाहा ॥ उँगी उव्याटनि साहा ॥ उँगी उरुदनि साहा ॥ उँगी स
 लवति साहा ॥ उँगी स सव
 उँगी शीमति साहा ॥ उँगी
 ॥ उँगी नू नू मसाहा ॥ उँगी
 ॥ उँगी अननरु साहा ॥ उँगी विननरु साहा ॥ उँगी धिननरु साहा ॥ उँगी विमकारि ॥

न३६२

साहा ॥ उँगी विष्व नू य साहा ॥ उँगी विमविमि साहा ॥ उँगी विगु बंगील साहा ॥ उँगी अ
 कल साहा ॥ उँगी मकल सा
 उँगी गूमा सिधिय वलेनि
 ॥ उँगी यवनि साहा ॥ उँ
 साहा ॥ उँगी धू धू मसाहा ॥ उँगी मनर साहा ॥ उँगी खख मसाहा ॥ उँगी तत वसाहा ॥ उँ

श्रीतावयकुमांगुगयतिवसुधा नानामधानदीमलानकावनक्षत्राकारकविमाला ॥ उंशीव
 ४ ॥ उंशीवकायम ॥ उंशीमलवकायममाला ॥ उंशीग्रावलेनिमाला ॥ २४
 ॥ उंशीयवलेनिमाला ॥ उंशीठकरमाला ॥ उंशी०करमाला ॥ उंशीरुकरमा
 ला ॥ उंशीउकरमाला ॥ उंशीरुकरमाला ॥ उंशीवर्षादिमाला ॥ उंशीयवर्षादि
 माला ॥ उंशीनिधामिमाला ॥ उंशीवज्रधनसागननिधोवतथागतसत्यमनूषावशमाला ॥ उं

श्रीसर्वतथागतसत्यमनूषावशमाला ॥ उंशीसर्ववक्षसत्यमनूषावशमाला ॥ उंशीधर्मसत्यमन
 ॥ उंशीसंयम ॥ उंशीसंयमसत्यमनूषावशमाला ॥ उंशीद्वयवशयवयशरुगवति
 स्मिन्नगुरुकायकाष्ठागाना ॥ उंशीममसर्वोपायनियुन ॥ उंशीममजलमाला ॥ उंशीममजलमाला ॥ उं
 ॥ उंशीममजलमाला ॥ उंशीममजलमाला ॥ उंशीममजलमाला ॥ उंशीममजलमाला ॥

ॐ श्री गुरुद्वयमिति साह ॥ ॐ श्री अविहीतुखनयसुतनिमलगततातडीसाह ॥ ॐ श्री मलभा
 थ किमिति साह ॥ ॐ श्री मलयो
 रु वद्वनिककनि साह ॥ ॐ
 यमनस्रनसाह ॥ ॐ श्री
 श्री यशावमनस्रनसाह ॥ ॐ श्री धतिमनस्रनसाह ॥ ॐ श्री रुयमनस्रनसाह ॥ ॐ श्री विरु

यमनस्रनसाह ॥ ॐ श्री सर्वसत्यसमयमनस्रनसाह ॥ ॐ श्री वसधनसाह ॥ ॐ श्री सुवस
 धनसाह ॥ ॐ श्री वससा
 वसधसाह ॥ ॐ श्री सुवस
 ॐ श्री वसधनधीयसाह ॥
 साह ॥ ॐ श्री मलालक्रीकृतलनिवासिनीयसाह ॥ ॐ श्री श्रीकविधनकविधन्यकनि साह

ती ॥ यथा मलाधीः सर्वनामास्तथा ॥ वनजातवृक्षस्तथा ॥ ॐ ह्यवैव सतं तथा ॥ मनानुगा
 मीयेनयकुसुमतं सर्वार्थे ॥ ययकुधम ॥ यथा कामाग्निद्विर्भवतु न संशयः ॥ खट्वस्त्रि
 २१
 टिश्वद्वरम्वरम्वरुत
 वसाला ॥ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ उल्लिख्यते नष्टास्तु वृक्षा
 वसाला ॥ अन्नयानीयसाला ॥ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥
 यतयसाला ॥ ओसाला ॥ प्रवसाला ॥ ॐ ह्यवैव सतं तथा ॥ यमायसाला ॥

वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ वैश्वनाथसाला ॥ सर्वधनधान्यनिधानानिद्विर्भावयसाला ॥ ॐ
 वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ ॐ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ ॐ सर्वधनधान्यनिधानानिद्विर्भावयसाला ॥ ॐ
 यतयसाला ॥ ॐ सर्वधनधान्यनिधानानिद्विर्भावयसाला ॥ ॐ सर्वधनधान्यनिधानानिद्विर्भावयसाला ॥
 ॐ सर्वधनधान्यनिधानानिद्विर्भावयसाला ॥ ॐ सर्वधनधान्यनिधानानिद्विर्भावयसाला ॥ ॐ सर्वधनधान्यनिधानानिद्विर्भावयसाला ॥
 ॐ सर्वधनधान्यनिधानानिद्विर्भावयसाला ॥ ॐ सर्वधनधान्यनिधानानिद्विर्भावयसाला ॥ ॐ सर्वधनधान्यनिधानानिद्विर्भावयसाला ॥

२५

यस्य कल यय ॥ मानि वस धा नाना मध्वान्धी मनुय जानि तथा गताना मरुतां रम्य कं म्वा ।
 नां यज्ञा कृत्वा धा नाना वल् ॥ यो द्वि कीर्थं स गुरुवा यन ॥ यो द्वि कीर्थं स गुरुवा यन ॥
 सत्ययाः वदवता यावत्तु ॥ सत्ययाः वदवता यावत्तु ॥
 ताः मरुता सस्मान्धस्य क ज्ञाना जालियेति सिद्धा रुवति ॥ तस्य कल यय स्या कल दूहि तु

२६

यस्य कल यय नूमा वया धा नया गुरुमन्त्रि यन यय ॥ एव ॥ सर्वधन धान्यः सवायक नूले च य
 वियनयानि ॥ सवोयदनां ॥ यना गायानि ॥ नन कल यय सर्व यय तन उरु कीधमा
 मध्वान्धी नाना मध्वान्धी धा ॥ नय ॥ वायय । दगाय ॥ य नय च विरु नल सस्य काग
 य ॥ साधू रग वनिनि ॥ सवद्यो गुरुयति ॥ रुक् ॥ रुक् ॥ उदगु आत्मना यमादि
 न योनि सोमनस्य काग रग वन मरुदवा वन ॥ उरुहिना मरुगवन वस धा नाना मध्वान्

नरुतुः काययया मनस्यवदागुदयतिः सहाधनामलाशाममलाकावकासागं वाहिवन
 धान्यसमुद्राः ॥ शुभावा नाक
 विता वदनसंयसध्वाना
 य ॥ जूनमादिता ॥ यनय
 वसध्वानामध्वानाध्वानय आहय वावय वशय ययवा ययव नयय विरु नक्षसम्यका
 ॥ साधस्यवदागुदयतिः यवमसाधः कल्याणाशयः ध
 मध्वाना यवलिता उज्जुलीना धानिना वाविता ययवा
 धविरु नक्षसम्यका गायिथति ॥ ननानदत्तयुहृलान
 ३१

गयतहविथति ॥ वरुननिलेतायवदुनससायलाकानुकमायमरुताजनकायथार्थय
 लिताय दवानाश्चमन्या
 । तस्यद्रुनकरुयं नराविथ
 सववकलाकासमावकस
 कनिथति ॥ अति कनिथतवा ॥ नरुननमिथत ॥ तत्कस्यरुता नक्षयारुत आनदवशधा
 धाश्च ॥ ययगुदयतलरुगता । यरुकगता ॥ रुविथकि
 ति ॥ कमनविथवा संवर्धत ॥ नरुमानदसमन्ययधमि
 वरुकस शमधवाक्रुहिकायां युगायामिमविथामन्यथा

नानामध्यावधीमनुमदानवै तत्क्रीडाकृगलमलानां प्रत्नानां गृहियथमागमिष्यति ॥ क४ यूनवा
 दायः यरुक्कगता ॥ रुदयग
 सारुताः सर्वतथागतानां
 मद्रिता ॥ यकाशिता ॥ अन्
 लानीकृता ॥ अन्नाविताव ॥ साधुगवानित्यायमानानन्दरुखां वलायामिमांसां मरावता ॥

३२

अधिकया द्रव्यसमृद्धयसदा ॥ अनकनलसमृद्धका अनस ॥ आयनवर्णं अग्निगुरुमृमन्
 लं ॥ नमाफुगशीवस्रधान
 अधिकयक्रियसन्ना नां वि
 यना ॥ यावगांमिरुलंयाका
 उदगुग्राहमनाः यमादेतयोति सोमनस्यगाता रुगवक्तमदवावत ॥ कथरुगवनधीनयाभ्य

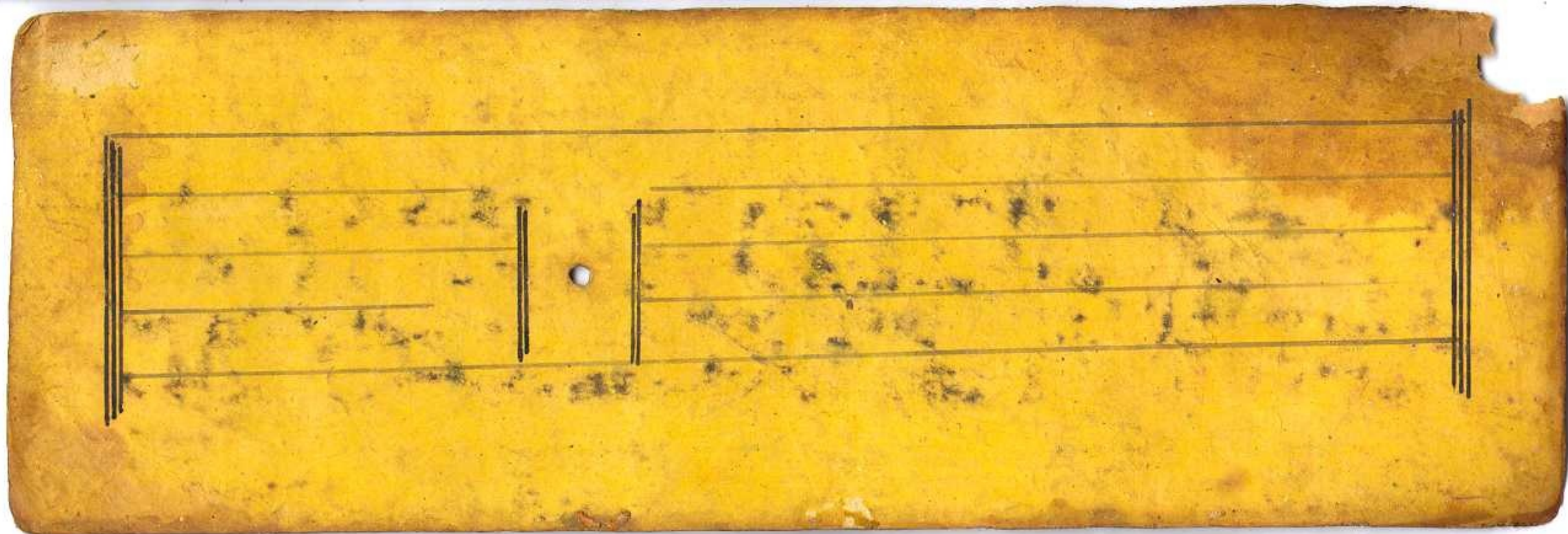
न धमयथायं ॥ रुगवानारु ॥ सूवदुष्टाय यतः यनिवृत्तयमित्यपि धानय ॥ सर्वधनधान्यनि
 धानमित्यपि धानया ॥ सर्वत
 ल ॥ दमवावरुगवा नारुमना आ
 वमानवा प्रवगन्तवा ॥ वनाका
 रुगवली वसूधानामधानवली संक ॥ ४ ॥ यथा दृष्टं तथालिखितं लिखितानां लिखितं

॥ यद्विदुः स म उच्यते ॥ धानि यमलाय ॥ ॥ आ यविदिगुरुकृदा ॥ अमधि मंगु मेथनं ॥
 नमान जयमा न प्रमानि न
 रुवदरुमां ॥ ४ ॥ यानि वा
 यिन यवमा यागका मला
 वली याया या धानयमा यायि वृत्तं गमकृत्वा सक न सत्तवा सनूक वसूधन रुल या क यति ॥ ॥

ल ॥ गया ॥ व शुध वया वं स न निरु य मा वा ॥ समत ७१२ लादक क ॥ नितिया ॥ रु वृक्षी न क व
 रु ख न या गा ॥ रु था क र्ध म ॥ ॥ आदित वा वा क न्य बा सि ग त स दी न नी ॥ म ख बा सि
 ग त व द म सि ॥ थ क र्ध ॥ ॥ श्री ३ रु का व नी व स्रु धा बा यि नी न दा रु व या ॥ ॥ ३१
 ला क स्र म स य नि ॥ य न वा ॥ क रु खा व नी ॥ रु व नु स र्ध ना का न ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

धर्मरत्न बज्राचार्य सुरत श्री महाविहार DH89





68H11

